आईआईटी के दीक्षांत समारोह में बोले पद्म विभूषण रघुनाथ अनंत माशेलकर

सफलता के लिए जरूरी टैलेंट, टेक्नोलॉजी, ट्रस्ट

इंदौर। आप जीवन में सफल बनना चाहते हैं, तो आपके पास टैलेंट, टेक्नोलॉजी ओर ट्रस्ट होना जरू री है। खुद पर विश्वास करिए, टेक्नोलॉजी को जानिए ओर हमेशा नया सीखिए।

आईआईटी-इंदौर के विद्यार्थियों को ये नसीहत दे गए पदम विभूषण रघुनाथ अनंत माशेलकर। वे आईआईटी-आई के तीसरे दीक्षांत समारोह में शामिल होने शहर आए। उन्होंने कहा कि गूगल के सीईओ भारत के सुंदर पिचाई हैं। माइक्रोसॉफ्ट के सीईओ भारत के सत्या नडेला हैं। दुनिया को सत्यम, सुंदरम भारत से मिल गए हैं अब जरूरत शिवम की है। आप ग्रेजुएट्स टैलेंट, इनोवेशन के जरिए किसी बड़ी कंपनी के शिवम बनकर सत्यम, शिवम, सुंदरम को पूरा कर सकते हैं।

एक को गोल्ड, चार को सिल्वर

दीक्षांत समारोह में 1विद्यार्थी को प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल व 4 विद्यार्थियों को सिल्वर मेडल प्रदान किए गए। साथ ही 1 विद्यार्थी को बेस्ट बीटेक प्रोजेक्ट अवॉर्ड व 1 को बेस्ट ऑल राउंडर अवॉर्ड भी दिया गया। समारोह में बीटेक के लगभग 80, एमएससी, एमटेक के 12 विद्यार्थियों को डिग्री प्रदान की गई। शोध प्रोग्राम के लगभग 10 विद्यार्थियों को सम्मानित किया गया।

पद्म विभूषण माशेलकर।

पापा को मिला था मेडल, मुझे भी चाहिए था

प्रेसीडेंट ऑफ इंडिया गोल्ड मेडल- रोनशी चावला, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग से बीटेक करने वाले रोनशी चावला का कहना है मेरे पापा को भी कॉलेज में गोल्ड मेडल मिला था, तभी से मेरा सपना था कि मैं भी मेडल हासिल करके रहूंगा। इस सपने को सच करना आसान नही रहा। बीटेक में एडमिशन लेने के बाद पीलिया हो गया। कई दिनों तक कॉलेज नही जा पाया, पर पढ़ाई से कभी समझौता नही किया। रोनशी यूएस से पीजी करने के बाद प्रोफेसर बनना चाहते हैं।

मेरी जिद थी अच्छा मेडल प्राप्त करना

सिल्वर मेडल दीपक आर, इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग

इलेक्टिकल इंजीनियरिंग से बीटेक करने वाले दीपक आर ऑल इंडिया पर होने वाली गेट एग्जाम में भी दूसरी रैंक प्राप्त कर चुके हैं। ये आईआईएसटी बैंगलुरू में एडमिशन भी ले चुके हैं। दीपक का कहना है कि अपनी रिसर्च स्किल्स को डेवलप करने के लिए अभी हार्डवर्क करने में लगा हूं। वे कहते हैं मेडल पाना तो मेरी जिद थी। आईआईएसटी से पढ़ाने करने के बाद टीचिंग फील्ड में आना चाहता हूं। साथ ही शोध कार्य भी जारी रहेगा।

90 प्रतिशत उपस्थिति सफलता का राज

सिल्वर मेडल प्रखर शर्मा, कम्प्यूटर साइंस इंजीनियरिंग

सीएस ब्रांच से बीटेक करने वाले प्रखर शर्मा का कहना है कि मेरी सफलता का राज है 90 प्रतिशत से ज्यादा उपस्थिति। यदि मैं खुद को अनुशासित नही रखता तो शायद आज सिल्वर मेडल का प्राप्त नही कर पाता।

सपना- प्रखर इंजीनियरिंग में ही यूएस से मास्टर डिग्री पाना चाहते हैं। कैलिफोर्निया की एक यूनिवर्सिटी में एडमिशन भी हो चुका है। पढ़ाई के बाद आईटी कंपनी ज्वॉइन करके बड़े ओहदे तक पहुंचना है।

भाई का सपना पूरा करने के लिए आया

सिल्वर मेडल प्रदीप कुंदू, एमटेक प्रोडक्शन एंड इंडस्ट्रीयल इंजीनियरिंग

एमटेक करने वाले प्रदीप कुंदू का कहना है कि मेरे भाई का सपना आईआईटी से पढ़ाई करने का था लेकिन वह कर नही पाया। तभी सोच लिया था आईआईटी से डिग्री ही नही लूंगा, मेडल भी हासिल करूंगा। प्रदीप की अभी आईआईटी इंदौर से ही पीएचडी करने की योजना है।

इन्हें भी मिले मेडल

- विजेंद्र सिंह तोमर को बेस्ट बीटेक प्रोजेक्ट अवॉर्ड (ईई)
- श्रीकांत श्रीनिवासन को बेस्ट ऑलराउंडर अवॉर्ड (एमई)
- प्रतीक चंद्रशेखर जुइकर को सिल्वर मेडल (एमई)

माशेलकर के ये 10 टिप्स

- महत्वकांक्षी बनिए
- असीमित कल्पनाशील बनिए
- सहनशील बनिए
- कठिन परिश्रम करिए
- धैर्यवान बनिए
- जो काम कर रहे हैं उससे प्यार करें
- अपने लिए अवसर बनाइए
- अलग सोच रखें
- पक्का इरादा रखें
- नया करने की सोचें

हमें फयूजन तैयार करना होगा

आईआईटी इंदौर के डायरेक्टर डॉ. प्रदीप माथुर ने कहा कि हमें ह्यूमिनिटीज और टेक्नोलॉजी का फ्यूजन तैयार करना होगा। आईआईटी इंदौर बोर्ड के चैयरपर्सन अजय पिरामल ने कहा कि आप जैसे ग्रेजुएटस के सामने देश को आर्थिक रूप से मजबूत करने का सुनहरा अवसर है।

नया ट्रैंड

आईआईटीयंस बनना चाहते हैं टीचर

इंदौर। आईआईटी जैसे दिग्गज संस्थान के विद्यार्थी अब टीचर बनना चाहते हैं। यह पहली बार देखने में आ रहा है जब गोल्ड ओर सिल्वर मेडल प्राप्त करने वाले विद्यार्थी टीचिंग फील्ड में जाने की इच्छा जता रहे हैं। इस बार के गोल्ड मेडलिस्ट रोनशी चावला का सपना प्रोफेसर बनने का है। उनका कहना है कि किसी भी देश के विकास मेंनौजवानों के दिमाग की खास भूमिका होती है। ऐसे में इन युवाओं को उच्च शिक्षित ऐसे शिक्षक मिलना जरूरी हैं जो उन्हें एजुकेशन देने साथ-नई टेक्नोलॉजी से अपडेट करें।

सिल्वर मेडलिस्ट दीपक आर भी टीचिंग फील्ड में आना चाहते हैं। उनका कहना है कि मेरा हमेशा से ही एक अच्छा टीचर बनना सपना रहा है। फिर यह मायने नहीं रखता कि मेरे पास विकल्प कौन-कौन से हैं। मुझे तो अपने देखे सपने को पूरा करना है। सिल्वर मेडल प्राप्त करने वाले प्रदीप कुंदू भी भविष्य में शोध के क्षेत्र में विद्यार्थियों को आगे बढ़ाने का सपना रखते हैं।

Nai Dunia (Indore), 25th August 2015, Page-19